जल जीवन मिशन फेज–2 एवं फेज–3 कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत सूचीबद्ध फर्म द्वारा कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा बैठक दिनांक– 02.07.2026 का कार्यवृत्त।

दिनांक 02.07.2026 को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाधिकारी/अध्यक्ष महोदय, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रो में विभिन्न पेयजल योजनाओं पर कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा बैठक प्रारम्भ हुयी जिसमें निम्न अधिकारी/कर्मचारी एवं फर्म के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

1 मुख्य विकास अधिकारी, कौशाम्बी।
2 मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कौशाम्बी।
3 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कौशाम्बी।
4 अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), कौशाम्बी।
5 अधिशासी अभियन्ता, सिचाई खण्ड, कौशाम्बी।
6 अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, कौशाम्बी।
7 सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), कौशाम्बी।
8 सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय(वि0/यॉ0), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), प्रयागराज।
9 डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर, टी0पी0आई0 एजेन्सी, मे0 मेधज्, टेक्नों लिमिटेड।
10 प्रोजेक्ट मैनेजर, मे0 के0पी0आई0एल0 (जे0एम0सी0), मंझनपुर, कौशाम्बी।
11 प्रोजेक्ट मैनेजर, मे0 बाबा जी.ए. इन्फ्रा (जे0वी0), मंझनपुर कौशाम्बी।

सर्वप्रथम जिलाधिकारी महोदय द्वारा जल जीवन मिशन फेज– 3 के अन्तर्गत सूचीबद्ध फर्म मेसर्स बाबा जी.ए. इन्फ्रा(जे0वी0) के कार्यो की प्रगति विवरण चाहा गया।

मे0 बाबा जी0ए0 इन्फ्रा (जे0वी0) द्वारा जल जीवन मिशन फेज–3 के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्य :–

मे0 बाबा जी0ए0 इन्फ्रा (जे0वी0) के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को आवंटित कुल 351 नग राजस्व ग्राम हेतु कुल 181 नग पेयजल योजनाएँ स्वीकृत है। स्वीकृत पेयजल योजनाओं में फर्म को 202 नग ट्यूबवेल, 181 नग उच्च जलाशय, 2255 किमी0 पाइप लाइन एवं 124501 नग FHTC प्रदान किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अभी तक 198 नग ट्यूबवेल बोरिंग एवं 155 नग उच्च जलाशय के कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 2138 किमी0 पाइप लाइन विछाकर, 118150 नग हाउस कनेक्शन प्रदान करने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही 186 नग राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति भी प्रारम्भ कर दी गयी है। साथ ही साथ पाइप लाइन बिछाने एवं हाउस टैप कनेक्शन प्रदान किये जाने हेतु तोडी गयी सड़कों/गलियों को लगभग 87 प्रतिशत तक पुनर्स्थापित करा दिया गया है तथा शेष सड़कों/गलियों को आवागमन हेतु मोटरेबुल करा दिया गया है, जिसको पाइप लाइन टेस्टिंग के उपरान्त पूर्व की भॉति पुर्नस्थापित/मरम्मत करा दिया जायेगा। माह– जून, 2026 में फर्म द्वारा 05 नग पेयजल योजनाओं को पूर्ण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित था, जिसको फर्म द्वारा शत्–प्रतिशत प्राप्त किया गया है।

फर्म द्वारा अबतक कुल 112 पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्यो को पूर्ण किया गया है। जिसमें से मात्र 45 नग पेयजल योजनाओं को ही संचालन एवं अनुरक्षण में भेजा गया है, जो कि पूर्ण योजनाओं के सापेक्ष O&M की प्रगति अत्यन्त कम पायी गयी। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा रोष व्यक्त करते हुये, विगत 03 माह से दिये जा रहे निर्देशों के उपरान्त कार्य की प्रगति में सुधार न होने के कारण फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर को जनपद से हटाये जाने हेतु एवं जनपद में फर्म के कार्यो की प्रगति में सुधार लाये जाने हेतु फर्म के उच्चाधिकारियों से वार्ता कर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही कराये जाने हेतु अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), कौशाम्बी को निर्देशित किया गया।

CamScanner

मे0 जे0एम0सी0 द्वारा जल जीवन मिशन फेज–2 व फेज –3 के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्य :–

मे0 जे0एम0सी0 (के0पी0आई0एल0) के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को आवंटित कुल 275 नग राजस्व ग्रामों हेतु कुल 94 नग डी.पी.आर. स्वीकृत है। स्वीकृत डी.पी.आर. में 130 नग पेयजल योजनाओं में फर्म को 156 नग ट्यूबवेल, 130 नग उच्च जलाशय, 1857 किमी0 पाइप लाइन एवं 94053 नग FHTC प्रदान किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अभी तक 153 नग ट्यूबवेल बोरिंग एवं 119 नग उच्च जलाशय के कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 1639 किमी0 पाइप लाइन बिछाकर, 88857 नग हाउस टैप कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है। साथ ही 206 नग राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति भी प्रारम्भ कर दी गयी है। साथ ही साथ पाइप लाइन बिछाने एवं हाउस टैप कनेक्शन प्रदान किये जाने हेतु तोडी गयी सड़कों/गलियों को लगभग 95 प्रतिशत तक पुनर्स्थापित करा दिया गया है तथा शेष सड़कों/गलियों को आवागमन हेतु मोटरेबुल करा दिया गया है, जिसको पाइप लाइन टेस्टिंग के उपरान्त पूर्व की भाँति पुर्नस्थापित/मरम्मत करा दिया जायेगा। माह– जून, 2026 में फर्म द्वारा 05 नग पेयजल योजनाओं को पूर्ण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित था, जिसको फर्म द्वारा शत–प्रतिशत प्राप्त किया गया है।

फर्म द्वारा अबतक कुल 99 पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्यो को पूर्ण किया गया है। जिसमें से मात्र 57 नग पेयजल योजनाओं को ही संचालन एवं अनुरक्षण में भेजा गया है, जो कि पूर्ण योजनाओं के सापेक्ष O&M की प्रगति अत्यन्त कम पायी गयी। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा रोष व्यक्त करते हुये, फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर को अवशेष कार्यो को पूर्ण कराये जाने एवं पूर्ण योजनाओं मे से अवशेष 42 को भी तत्काल O&M में लिये जाने हेतु तैयार किये गये बार–चार्ट के अनुसार तत्काल आवश्यक मैनपावर लगाकर पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये।

तदोपरान्त दोनो सूचीबद्ध फर्मो द्वारा भौतिक रूप से पूर्ण की गयी पेयजल योजनाओं से जलापूर्ति शुरू कराये जाने की प्रगति रिपोर्ट में अपेक्षाकृत सुधार प्रदर्शित न होने पर असंतोष व्यक्त करते हुये अधिशासी अभियंता जल निगम एवं फर्मों को जल–जीवन मिशन के कार्यों–ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य, कनेक्शन एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों को मानक के अनुरूप ठीक कराने के कार्यों में तेजी लाने, एवं जिन परियाजनाओं में 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है, उन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण कराकर शीघ्र ही पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

(कार्यवाही– अधि0अभि0 जल निगम(ग्रा0)/कार्यदायी संस्थाएं)

अन्य महत्वपूर्ण निर्देश :–

1. फर्म द्वारा संचालन एवं अनुरक्षण में ली गयी 102 नग पेयजल योजनाओं का सत्यापन सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों से कराये जाने के निर्देश दिये गये।
2. संचालन एवं अनुरक्षण में ली गयी समस्त 102 नग पेयजल योजनाओं में सड़क पुर्नस्थापना का कार्य शत्–प्रतिशत पूर्ण करा लिया जाये।
3. माह– मार्च, 2026 तक भौतिक रूप से पूर्ण योजनाओं की टेस्टिंग एवं कमीशिनिंग का कार्य तत्काल पूर्ण कराते हुये संचालन एवं अनुरक्षण कार्य प्रारम्भ कराया जाये।
4. जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत पाइप लाइन एवं हाउस टैप कनेक्शन हेतु तोड़ी गयी सड़कों/गलियो कों शत्–प्रतिशत मोटरेबुल करा लिया जाये, ताकि वर्षा ऋतु में स्थानीय निवासियों का आवागमन में असुविधाओं का सामना न करना पड़ें।
5. शेष बचे नलकूपों के बोरिंग का कार्य माह के अन्त तक पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये।
6. टी0पी0आई0 एजेन्सी की Performance संतोषजनक न होने के कारण, डिप्टी टीम लीडर के विरूद्ध अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को पत्र प्रेषित कराये जाने के निर्देश दिये गये।
7. जिला समन्वयक, डी.पी.एम.यू. कौशाम्बी की कार्यशैली संतोषजनक न होने के कारण, अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को पत्र प्रेषित कराये जाने के निर्देश दिये गये।
8. समस्त पेयजल योजनाएँ जिनके कार्य पूर्ण हो चुके है, उनमें सुबह–शाम नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाये।

CS CamScanner

9. सभी साइट्स पर पर्याप्त श्रमिक, सामग्री, पाइप, मशीनरी आदि आवश्यकतानुसार प्रबन्ध कर कार्य की प्रगति बढ़ायी जाये तथा समस्त कार्य विभागीय विशिष्टियों/मानक के अनुसार कराये जाये। इसमें किसी भी तरह की शिथिलिता न बरती जाये।

(कार्यवाही– अधि0अभि0 जल निगम(ग्रा0)/कार्यदायी संस्थाएँ)

जिलधिकारी/अध्यक्ष,
जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
कौशाम्बी।

कार्यालय जिलाधिकारी, कौशाम्बी।

पत्रांक 3974 /जल जीवन मिशन/W-74/220 दिनांकः– 15/7/26

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य विकास अधिकारी/उपाध्यक्ष, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, कौशाम्बी।
2. समस्त सदस्य, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, कौशाम्बी।
3. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), कौशाम्बी।
4. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय(वि0/यॉ0), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), प्रयागराज।
5. प्रोजेक्ट मैनेजर, मे0 के0पी0आई0एल0 (जे0एम0सी0), कौशाम्बी को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि बैठक में दिये गये निर्देशों का शत्–प्रतिशत पालन कराना सुनिश्चित करें।
6. प्रोजेक्ट मैनेजर, मे0 बाबा जी0 ए0 इन्फ्रा(जे0वी0) कौशाम्बी को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि बैठक में दिये गये निर्देशों का शत्–प्रतिशत पालन कराना सुनिश्चित करें।

Digitally signed by
AMIT PAL
Date: 10-07-2026
17:29:07

जिलधिकारी/अध्यक्ष,
जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
कौशाम्बी।

CamScanner